कांग्रेस अध्यक्ष का भाषण
जनसभा
जालना (महाराष्ट्र)
20 अप्रैल 2009

भाइयो, बहनो और बच्चो,

मुझे खुशी है, कि आज इस पवित्र और ऐतिहासिक छत्रपति शिवाजी महाराज की भूमि में आपके बीच आने का मौक़ा मिला है। छत्रपति शिवाजी महाराज सच्चे अर्थों में एक Secular और लोकतांत्रिक शासक थे। उनके विचार पूरे देश के लिए, पूरे भारतीय समाज के लिए थे। अफ़सोस की बात है, आज शिवाजी का नाम लेने वाले कुछ लोग अपने ही देशवासियों के ख़िलाफ़, प्रांत के नाम पर, या धर्म के नाम पर हिंसा फैला रहे हैं। इनके दूसरे साथी हैं, जिन्हें सिर्फ़ चुनाव के समय भगवान राम याद आते हैं।

हम भी एक परंपरा को मानते हैं, वह परंपरा स्वाधीनता आंदोलन की परंपरा है, महात्मा गांधी, सरदार पटेल, जवाहरलाल नेहरू, मौलाना आज़ाद, इंदिरा जी और राजीव जी की परंपरा है। सर्व–धर्म–सम–भाव की परंपरा है। प्रगति और विकास की परंपरा है। इसी के बल पर कांग्रेस के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने पिछले पांच सालों में भारत के आम आदमी को एहसास करा दिया है कि, नेतृत्व मज़बूत हो, और विचार–धारा प्रगतिशील, तो देश प्रगति और विकास की ऊंचाइयों तक पहुंच सकता है।

हमारा प्रयास है, कि इक्कीसवीं सदी का भारत विकसित भारत हो। देश की नयी पीढ़ी तंग आ चुकी है, दंगों की बदनामी से, वह तंग आ चुकी है, प्रांत और जाति के झगड़ों से। तंग आ चुके हैं, अपराध की राजनीति से। कांग्रेस अपने गौरव–शाली अतीत और नयी पीढ़ी के भविष्य को जोड़कर एक मज़बूत भारत के लिए संघर्ष कर रही है।

इसके विपरीत भाजपा–शिवसेना जैसे दलों का इतिहास– किसी भी प्रगतिशील क़दम का विरोध करने का है। जब कांग्रेस महात्मा गांधी जी के नेतृत्व में देश के स्वतंत्रता की लड़ाई लड़ रही थी, तब भी ये लोग कांग्रेस का विरोध कर रहे थे। आज़ादी के बाद जब हमारे देश में कुछ नहीं था, और जवाहरलाल नेहरू देश में बड़े–बड़े उद्योग, कारखाने, बिजली–घर और पुलों के निर्माण जैसे काम कर रहे थे, तब भी ये लोग उनका खूब विरोध किए। जब इन्दिरा जी के नेतृत्व में हरित–क्रांति आयी, LIC, बैंकों का राष्ट्रीयकरण किया, ग़रीबों के लिए तमाम क़दम उठाए, तब भी ये लोग इन्दिरा जी का विरोध कर रहे थे। जब राजीव जी महिलाओं को पंचायत–राज संस्थाओं में कानूनी तौर पर तैंतीस प्रतिशत आरक्षण दे रहे थे, युवाओं को अठारह साल की उम्र में वोट देने का अधिकार दे रहे थे, Computer और Information Technology के क्षेत्र में क्रांतिकारी क़दम उठा रहे थे, तब भी ये लोग उनका न केवल विरोध कर रहे थे, उनका मज़ाक उड़ा रहे थे।

जब हमारी सरकार ने देश की अर्थ–व्यवस्था को दुनिया की बराबरी पर लाने के लिए, नयी आर्थिक नीतियां लागू कीं, तब भी भाजपा–शिवसेना के लोग हमारा विरोध कर रहे थे। जब हमने देश की ऊर्जा ज़रूरतें पूरी करने के लिए परमाणु करार किया, तब भी ये लोग विरोध ही कर रहे थे। विरोध के नाम पर ऐसा व्यवहार कर रहे थे, जिससे संसद् की छवि दुनिया में धूमिल हो रही थी। अपनी राजनीति के लिए ये सभी लोकतांत्रिक मर्यादाओं को ताक़ पर रख देते हैं।

हमारी पार्टी जब–जब देश को आगे बढ़ाने के लिए संघर्ष करती है, देश को मज़बूत बनाने के क़दम उठाती है, तब–तब भाजपा–शिवसेना जैसी संकीर्ण और सांप्रदायिक पार्टियां, देश को पीछे धकेल देती हैं। कैसे भुला सकते हैं NDA के पांच साल के राज के कुशासन को?

कैसे भूल सकता है यह देश– संसद्, लाल क़िला, अक्षरधाम और कारगिल के हमलों को, आतंकवादियों को हमारी जेलों से निकाल कर कंधार तक छोड़ कर आने वालों की हक़ीकत को। कैसे भूल सकता है यह राष्ट्र कि NDA सरकार के समय के तहलका, वीर सैनिकों के ताबूत, UTI जैसे तमाम घपलों–घोटालों और भ्रष्टाचार को।

जब हमारी सरकार बनी, डॉ0 मनमोहन सिंह जी प्रधानमंत्री बने, तो उद्योग, कृषि, शिक्षा, तकनीक के क्षेत्र में भारत ने विकास किया। भारत ने चन्द्रयान के साथ अन्तरिक्ष में उड़ान भरी। यही वह समय है, जब भारत ने अपनी शर्तों पर अमेरिका और अन्य देशों से परमाणु समझौता किया।

देश विकास के रास्ते पर चल रहा हो, देश में अमन–चैन और शान्ति हो, अनाज के भण्डार भरे हों, तो देश का अन्नदाता किसान खुशहाल हो, जो कमज़ोर है, वह मज़बूत हो। विकास में हर नागरिक का हिस्सा हो, इसके लिए हमारी सरकार ने जहां एक तरफ़ किसानों के पैंसठ हज़ार करोड़ रुपये के कर्ज़ माफ़ किए, कम ब्याज़ दर पर ऋण की व्यवस्था की, उनकी उपज का ख़रीद मूल्य इतना बढ़ाया, जितना पहले कभी नहीं बढ़ा। वहीं ग्रामीण रोज़गार कानून बनाकर देश में चार करोड़ ग़रीब भाइयों को रोज़गार दिलवाया। असंगठित क्षेत्र के अपने मज़दूर भाइयों के हितों की रक्षा के लिए कानून के साथ ही बीमा योजना और वृद्धावस्था पेंशन योजना लागू की। अपनी प्यारी बहनों के सशक्तिकरण के लिए अनेक कानून बनाने के अलावा स्वयं–सहायता समूहों के ज़रिए उन्हें आर्थिक तौर पर आत्म–निर्भर बनाने का काम किया जा रहा है। आंगनवाड़ी में काम करने वाली बहनों का मानदेय बढ़ाया है। अक़्लियतों के लिए अलग से नया मंत्रालय और सच्चर कमेटी की सिफ़ारिशों पर अमल कर रहे हैं। आदिवासी भाइयों को, जंगल की ज़मीन और उसकी उपज पर कानून बनाकर, उन्हें अधिकार दिया है।

सारी दुनिया जानती है, कि कांग्रेस विकास और निर्माण की पार्टी है। एक यही पार्टी है, जो राष्ट्रीय एकता और सामाजिक एकता की पार्टी है। इस एकता के बिना राष्ट्र का विकास संभव नहीं है। हमने अभी तक जो योजनाएं और कार्यक्रम शुरू किए हैं और जो अपने घोषणा–पत्र में वादे किए हैं, उन्हें पूरा करने के लिए आप सबके सहयोग और समर्थन की ज़रूरत है।

इसलिए मेरा आपसे निवेदन है, कि चुनाव के दिन अपने क्षेत्र और पूरे महाराष्ट्र में अपना एक–एक वोट कांग्रेस उम्मीदवार कल्याण काले और उत्तम सिंह पवार के साथ–साथ NCP और RPI के सभी उम्मीदवारों को देकर, उन्हें भारी बहुमत से जिताएं, देश की प्रगति और विकास में अपनी भूमिका निभाएं।

इन्हीं शब्दों के साथ इस सभा में आने के लिए मैं आप सबको धन्यवाद देती हूं।

जय हिन्द।